

**ब्लैक मंडे: वैश्विक संकट की चपेट में दुनियाभर के बाजार**

## शेयर बाजार में निवेशकों को लगा

### 19.4 लाख करोड़ का फटका

ससाह के पहले दिन सेसेक्स 2,226

और निफ्टी 742.5 अंक टूटा

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी



**विदेशी निवेशकों की बिकवाली**  
अप्रैल के पहले ससाह में विदेशी पोर्टफॉलियो निवेशकों ने 13,730 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण एकप्रती 7.33% की निवेशक सबसे पहले पूंजी बाजार से बाहर निकलते हैं, जिसमें घेरलू बाजारों पर दबाव बढ़ जाता है।

टैरिफ़ (आयात शुल्क) में बढ़ि और चीन की ओर से संभावित जवाबों का बढ़ाई रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ़ नीति को वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। यह निवेशकों के लिए एक बड़ा झटका है। यह पिछले 10 महीनों की सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिका की ओर से

बाजारों पर बढ़त रह पड़ा। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी नीतियों से पीछे नहीं रहेगा, जिसमें वैश्विक निवेशकों में घबराहट बढ़ गई है। इसी कारण से सोमवार का एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजारों में जोरदार गिरावट देखी गई है।

**भारत में कंपनियों पर गिरी जाज**  
■ बीसीई सेसेक्स में शमिल 30 में से 29 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बढ़ रहे।  
■ टाटा स्टील में समस्त अधिक 7.33% की जिरावट दर्ज की गई।  
■ लासिं एंड ट्रांसोर्ट 5.78% टूटा।  
■ टाटा एस्टोर्स, महिदा एंड मिहिदा, इन्फोसिस, एप्लिक्स बैंक, आईटीसीआईसीआई बैंक, और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में भी आरी गिरावट आई।  
■ केंट हिंदुस्तान यूनिलिवर ही माझूरी बढ़त के साथ बढ़ रहा।

**एशिया और अमेरिका के हाल**  
■ हाइकोनग का हाँगसंग इंडेक्स 13% तक गिर गया।  
■ जापान का निक्की 225 इंडेक्स 8% तक टूटा।  
■ द्विविधि कोरिया का कोरोनी 5% लीचे आया।  
■ शेयर्स का एसएस्ऎल कोरोनी 7% लीचे आया।  
■ अमेरिकी शेयर बाजार में भी जुरू वार को ही जिरावट के संकेत निलंग गया है। S&P 500 इंडेक्स 5.97%, Nasdaq कोरोने 5.82% और Dow Jones 5.50% की गिरावट के साथ बढ़ रहा।

**पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी मची तबाही**

■ भारत ही नहीं, पाकिस्तान में भी सोमवार को अकादमी-तारीखों का महानी रहा।  
■ पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में बैंकों की गिरावट के बाद एक घंटे के लिए ड्रॉइंग रोक दी गई। वोकर्स शुरू होने के बाद भी 2,000 अंक घंटे बिंदे रिसेस कुल गिरावट 8,600 अंकों की रही।  
■ बांग्लादेश के अंतर्रिम नेता मुहम्मद यूनुस ने अमेरिकी राष्ट्रपति को पत्र लिखकर तीन महीने तक किसी भी तरह के टैरिफ़ से राहत देने की गुरुत्व लगायी।

**एक्सपर्ट व्यू**  
विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अमेरिका की टैरिफ़ नीति और वैश्विक व्यापार युद्ध यूंही जारी रहा, तो निफ्टी और नीचे 21,500 के स्तर तक जा सकता है।

भारतीय बाजार को राहत की उम्मीद

### आबीआई एमपीसी की बैठक शुरू: रेपो रेट में 25 आधार अंकों के कटौती की उम्मीद, कल आ सकता है फैसला

रिजर्व बैंक ने सोमवार को दो महीने के अंतराल पर होने वाली मोटिक नीति समिति की बैठक शुरू की। महागाई के मार्च पर रेपो रेट को देखते हुए एमपीसी से ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती करने का फैसला ले सकती है। एमपीसी की ओर से बैंकों टैरिफ़ लगाया जाने के बाद वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नियंत्रण भी आया है। ताजा वैश्विक हालात के बीच एमपीसी चुनैतिया पैदा हो गई है। ताजा वैश्विक हालात के बीच एमपीसी जो आये जाने की जरूरत है। गवर्नर संसदीय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के नियंत्रण का एलान बुधवार को होगा। फरवरी में एमपीसी ने रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और दूर्वा साल बाद पहली बार इसमें बदलाव किया गया था। जो बाढ़ मुद्रारेति नहीं हो गई है, और लेवल रिसर्च के साथ सेवा दरों में बदलाव की दिशा उदार रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक के आधिक अनुसंधान अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर













